प्रभाव प्रतिवेदन

(वर्ष 2023–2026)

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

गौशाला का पता :

ओल्ड लोहा पुल, यमुना खादर, शास्त्री पार्क,
गढी मंडू, पूर्वी दिल्ली–110053

संपर्क नंबर : 9599793972, 9289533459

ईमेल : gopalasatvik@gmail.com

वेबसाइट : https://gopalasatvik.in/

प्राक्कथन

मैं, **हरीकिशन**, हृदय से यह अनुभव करता हूँ कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य है। यह सेवा का भाव मुझे प्रारम्भ से ही प्राप्त हुआ, जिसे मैंने अपने परिवार, विशेष रूप से अपने पिता से सीखा। वे अपने आसपास की कॉलोनियों में गौमाता की सेवा करते थे और जरूरतमंद् लोगों की सहायता, विशेष रूप से दवाइयों के माध्यम से, किया करते थे।

मुझे भी चिकित्सा से जुड़ा कुछ ज्ञान प्राप्त था, और इस कारण मैंने भी इस सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बना लिया। समय के साथ, मेरे इस छोटे से प्रयास से कई लोग प्रभावित हुए और उन्होंने मुझे यह सुझाव दिया कि इस सेवा को एक संगठित रूप दिया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों और गौमाता तक सहायता पहुँचाई जा सके।

इस प्रेरणा के साथ, मैंने 26 जून 2023 को **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की स्थापना की । **"गोपाला"** नाम का चयन इस भावना के साथ किया गया कि यह एक ऐसा स्थान बने जहाँ गौमाता की सेवा, करुणा, और जरूरतमंदों की सहायता के सभी गुण समाहित हों।

यह संस्था केवल एक गौशाला नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य है कि हम इस सेवा को निरंतर आगे बढ़ाएँ और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाएँ।

मेरा यह सफर एक छोटे प्रयास से शुरू हुआ था, और आज यह एक मजबूत संकल्प बन चुका है। मैं सभी सहयोगियों, सदस्यों और समर्थकों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सहयोग से यह संभव हो पाया है।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

पृष्ठभूमि और स्थापना

पृष्ठभूमि

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन एक Non-Governmental Organization (NGO) है, जो गौमाता की सेवा, संरक्षण और कल्याण के उद्देश्य से स्थापित की गई है। यह संस्था भारतीय संस्कृत, करुणा और सेवा के मूल्यों पर आधारित है, जिसका मुख्य लक्ष्य बेसहारा एवं जरूरतमंद गौवंश को सुरक्षित आश्रय, उचित आहार और चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है।

इस संस्था की प्रेरणा संस्थापक के व्यक्तिगत अनुभवों और पारिवारिक संस्कारों से प्राप्त हुई। बचपन से ही गौसेवा और समाज सेवा का भाव उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। विशेष रूप से उनके पिता द्वारा आसपास की कॉलोनियों में गौमाता की सेवा और जरूरतमंद लोगों को दवाइयों के माध्यम से सहायता प्रदान करने का कार्य, इस सोच को और मजबूत करता गया।

समय के साथ यह अनुभव हुआ कि सड़कों पर घूम रही असहाय गौमाता के लिए एक व्यवस्थित और सुरक्षित स्थान की अत्यंत आवश्यकता है। इसी विचार ने एक संगठित प्रयास का रूप लिया, जिसने आगे चलकर **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की नींव रखी।

स्थापना

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन की स्थापना (वर्ष-2023) में एक छोटे स्तर से की गई थी, जिसका उद्देश्य गौमाता की सेवा को एक संगठित और प्रभावशाली रूप देना था।

शुरुआत में सीमित संसाधनों के बावजूद, संस्था ने अपने सेवा भाव, समर्पण और निरंतर प्रयासों के बल पर धीरे-धीरे विस्तार किया। आज यह गौशाला अनेक गौमाता को आश्रय प्रदान कर रही है, साथ ही उनके लिए नियमित भोजन, चिकित्सा देखभाल और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित कर रही है।

संस्था का संचालन पारदर्शिता, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के सिद्धांतों पर आधारित है। स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवकों और दानदाताओं के सहयोग से यह संगठन निरंतर अपने उद्देश्य की ओर अग्रसर है।

कानूनी स्थिति

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन एक विधिवत गैर-लाभकारी संस्था (Non-Profit Organization) है, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत गैर-सरकारी इकाई (Section 8 Company) के रूप में स्थापित किया गया है।

इस संस्था का औपचारिक पंजीकरण 26 जून 2023 को हुआ तथा यह Registrar of Companies (RoC) दिल्ली के साथ पंजीकृत है।

यह एक Private Limited Non-Government Company के रूप में वर्गीकृत है, जो मुख्य रूप से सामाजिक सेवा एवं पशु कल्याण गतिविधियों में संलग्न है, विशेष रूप से गौ संरक्षण और उनके कल्याण के उद्देश्य के अनुरूप कार्य कर रही है।

मुख्य पंजीकरण विवरण :

Corporate Identification Number (CIN) : U88900DL2023NPL416177

पंजीकरण प्रकार : Section 8 Company (गैर-लाभकारी संस्था)

पंजीकरण प्रतिकरण : Registrar of Companies (दिल्ली)

स्थापना तिथि : 26 जून 2023

कार्य क्षेत्र : सामाजिक कल्याण एवं पशु देखभाल गतिविधियाँ

Section & Company होने के कारण, यह संस्था गैर-लाभकारी आधार पर कार्य करती है, जिसमें प्राप्त होने वाली सभी आय और धनराशि का उपयोग केवल इसके सामाजिक एवं परोपकारी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है तथा इसे सदस्यों के बीच लाभांश के रूप में वितरित नहीं किया जाता।

यह संस्था भारतीय कानूनों के अंतर्गत निर्धारित सभी वैधानिक एवं नियामक आवश्यकताओं का पालन करती है, जिससे इसके कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक प्रशासन सुनिश्चित होता है।

मुख्य उद्देश्य

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन एक का मुख्य उद्देश्य बेसहारा, बीमार एवं परित्यक्त गौवंश को सुरक्षित आश्रय प्रदान करना तथा उनकी समुचित देखभाल सुनिश्चित करना है। संस्था गौमाता के लिए नियमित और पौष्टिक आहार, समय पर चिकित्सा सुविधा तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य करती है। इसके साथ ही, गौवंश के संरक्षण, संवर्धन और उनके समग्र कल्याण को बढ़ावा देना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है। संस्था समाज में गौसेवा, पशु कल्याण और पर्यावरण संरिण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भी प्रयासरत रहती है। इसके अतिरिक्त, यह संगठन स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवकों और दानदाताओं को जोड़कर सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करता है तथा समाज में सेवा, करुणा और परोपकार के मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करता है।

दृष्टि

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन की दृष्टि एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जहाँ प्रत्येक गौमाता को सम्मान, सुरक्षा और उचित देखभाल प्राप्त हो। संस्था का लक्ष्य गौसेवा को एक संगठित और सशक्त रूप देना है, जिससे बेसहारा एवं जरूरतमंद गौवंश को सुरक्षित आश्रय, पोषण और चिकित्सा सुविधाएँ मिल सकें। यह संस्था समाज में करुणा, सेवा और जिम्मेदारी की भावना को विकसित करते हुए लोगों को गौसंरक्षण और पशु कल्याण के प्रति जागरूक बनाना चाहती है। दीर्घकालिक रूप से संस्था एक आदर्श एवं आत्मनिर्भर गौशाला मॉडल स्थापित करने का प्रयास करती है, जो सामाजिक सहयोग, पारदर्शिता और सतत विकास के सिद्धांतों पर आधारित हो।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

मिशन

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन का मिशन बेसहारा, बीमार एवं परित्यक्त गौवंश को सुरक्षित आश्रय, उचित पोषण और समय पर चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है। संस्था का उद्देश्य गौमाता की सेवा को संगठित और प्रभावशाली बनाते हुए उनके संक्षरण एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य करना है। यह संस्था एक स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे गौवंश का समुचित विकास सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही, संगठन समाज में गौसेवा, पशु कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने तथा लोगों को इस पवित्र कार्य से जोड़ने का प्रयास करता है। संस्था का मिशन सेवा, करुणा, पारदर्शिता और सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों के आधार पर एक सशक्त और आत्मनिर्भर गौशाला का निर्माण करना है।

प्रबंधन मंडल

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन का प्रबंधन एक समर्पित **निदेशक मंडल** द्वारा किया जाता है, जो संस्था की नीतियों, कार्यों और विकास की दिशा निर्धारित करता है तथा पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है।

निदेशक मंडल :

श्री हरि किशन–निदेशक

श्री मयंक–निदेशक

सुश्री मानसी उज्जैनवाल–निदेशक

निदेशक मंडल के सदस्य संस्था के **मिशन और दृष्टि** के अनुरूप रणनीतिक निर्णय लेते हैं तथा गौसेवा और सामाजिक कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्य क्षेत्र

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन का पंजीकृत कार्यालय दिल्ली में स्थित है, जबकि इसकी प्रमुख संचालन गतिविधियाँ हरियाणा में स्थित गौशाला से संचालित होती हैं। संस्था मुख्य रूप से हरियाणा एवं दिल्ली सहित आसपास के क्षेत्रों में गौसेवा, संरक्षण एवं कल्याण से संबंधित कार्य करती है।

महंत मंगलदास उदासीन जी

संरक्षक

महंत मंगलदास उदासीन जी

प्रचार मंत्री, दिल्ली संत महामंडल (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)

उप मंत्री, श्री वैष्णव दवरक्त मंडल, दिल्ली

संस्थापक अध्यक्ष, श्री चंद्र उदासीन गौ धाम सेवा ट्रस्ट

महंत मंगलदास उदासीन जी, **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** के संरक्षक हैं। गौशाला की स्थापना के समय उन्होंने संस्था को एंबुलेंस की महत्त्वपूर्ण सहायता प्रदान की, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में गौमाता की सेवा एवं उपचार सुचारू रूप से किया जा सका।

जब भी गौमाता के लिए किसी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न हुई अथवा चारे-भूसे की कमी जैसी समस्याएँ सामने आईं, तब महंत जी ने सदैव पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

वर्तमान समय में भी महंत जी निरंतर गौशाला के कार्यों में अपना अमूल्य सहयोग दे रहे हैं और संस्था के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।

श्री नीरज जैन जी

विशेष सहयोग

श्री नीरज जैन जी ने **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की स्थापना के प्रारंभिक चरण से ही अत्यंत महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। संस्था की शुरुआत के समय, जब अनेक चुनौतियाँ और उतार-चढ़ाव सामने आए, तब उन्होंने हर परिस्थिति में मार्गदर्शन और सहयोग देकर संस्था को संभालने में अहम भूमिका निभाई।

उनका निरंतर समर्थन और समर्पण आज भी संस्था के लिए प्रेरणादायक है। **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** उनके अमूल्य सहयोग के लिए हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता है।

हरि किशन जी

जुलाई 2023 के अंत में एक गौमाता घायल अवस्था में इधर-उधर भटक रही थीं, जिनकी पूंछ को जंगली कुत्तों ने काट दिया था। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर सेवक 2–3 जिन तक उन्हें खोजते रहे, लेकिन वे नहीं मिलीं। एक दिन वह स्वयं ही गौशाला के पास आकर बैठ गईं, मानो सेवा लेने आई हों। तब हरि किशन जी ने उनका उपचार किया। आज वही गौमाता स्वस्थ होकर **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** में सुरक्षित जीवन बिता रही हैं।

हरि किशन जी

श्री मयंक जी

जन्म के उस कठिन क्षण में, जब इस नन्हे गौवंश ने दुनिया में कदम रखा, उसकी माँ ने अपने प्राण त्याग दिए। यह एक बेहद संवेदनशील और दर्दभरी परिस्थिति थी। ऐसे समय में मयंक जी ने आगे बढ़कर इस छोटे से बछडे को सहारा दिया।

उन्होंने रोज़ अपने हाथों से उसे दूध पिलाकर उसका पालन-पोषण किया, मानो वह उनका अपना ही बच्चा हो। पूरी समर्पण और स्नेह के साथ उसकी देखभाल की गई, जब तक कि वह स्वयं चारा खाने और अपने पैरों पर खडे होने लायक नहीं हो गया।

आज यह नन्हा जीवन उस सेवा, ममता और त्याग का जीवंत उदाहरण है, जो **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की पहचान है।

श्री मयंक जी

साल 2023 की गर्मियों में, जब **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** में एक छोटे से स्तर पर गौसेवा की जा रही थी, तब एक बेहद भावुक पल सामने आया। आसपास के जरूरतमंद बच्चों ने मासूमियत से आइसक्रीम की इच्छा जताई।

बिना कुछ सोचे, उन्हें यह छोटी-सी खुशी देने का अवसर मिला–और उन बच्चों की मुस्कान ने उस दिन सेवा क एक अलग ही सुकून और खुशी से भर दिया।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

श्री हरि किशन जी

अक्टूबर 2023 में एक अत्यंत दुखद परिस्थिति सामने आई, जब गौशाला में एक गौवंश की अचानक मृत्यु हो गई। यह क्षण सभी के लिए भावुक और पीड़ादायक था। **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** में हर जीवन को परिवार की तरह माना जाता है, इसलिए इस गौवंश का अंतिम संस्कार सनातन धर्म की परंपराओं के अनुसार पूर्ण श्रद्धा और सम्मान के साथ हरि किशन जी के मार्गदर्शन में किया गया।

यह केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उस जीवन के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का एक भावपूर्ण प्रयास था, जिसने हमें सेवा का अवसर दिया।

फाउंडेशन द्वारा भोजन वितरन कार्य

उपरोक्त प्रदर्शित चित्र 04 सितंबर 2023 का है। इस दौरान, गौशाला में गौमाता की सेवा करते हुए आसपास के बच्चों के साथ एक गहरा भावनात्मक संबंध स्थापित हुआ। इसी क्रम में यह अनुभव हुआ कि उनकी सबसे बड़ी आवश्यकता केवल स्नेह ही नहीं, बल्कि भोजन भी है।

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन को इन बच्चों की भूख मिटाने की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह छोटी-सी पहल बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लेकर आई, जिसने सभी के मन को गहरे सुकून और संतोष से भर दिया।

इसी अनुभव ने यह संकल्प और मजबूत किया कि जब भी अवसर मिलेगा, इस प्रकार की सेवा को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

श्री हरि किशन जी

अक्टूबर 2023 की यह छवि गौसेवा के उस शांत और समर्पित क्षण को दर्शाती है, जब संध्या समय लगभग 5-6 गौमाताएँ एकत्रित होकर भोजन ग्रहण कर रही हैं। इस दौरान, श्री हरि किशन जी द्वारा अत्यंत श्रद्धा और स्नेह के साथ गौमाताएँ को आहार प्रदान किया जा रहा है।

यह दृश्य केवल एक दैनिक सेवा कार्य का चित्रण नहीं है, बल्कि संस्था की मूल भावना—"सेवा, करुणा और समर्पण"—का सजीव उदाहरण है। दिनभर की गतिविधियों के पश्चात संध्या समय गौमाताओं को संतुलित एवं सात्विक आहार उपलब्ध कराना उनकी दिनचर्या का एक महत्त्पूर्ण हिस्सा है, जिससे उनके स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवन को सुनिश्चित किया जाता है।

इस प्रकार की नियमित सेवाएँ यह दर्शाती हैं कि संस्था न केवल गौमाताओं के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है, बल्कि उनके पोषण, देखभाल और भावनात्मक जुड़ाव को भी समान महत्त्व देती है। श्री हरि किशन जी का यह व्यक्तिगत योगदान संस्था के कार्यों को और अधिक सशक्त एवं प्रेरणादायक बनाता है।

यह क्षण संस्था के निरंतर प्रयासों और गौसेवा के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतीक है, जो समाज में सेवा और संवेदनशीलता का संदेश प्रसारित करता है।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

फाउंडेशन द्वारा आइसक्रीम वितरन कार्य

गर्मी के मौसम 2023 की यह भावुक झलक उन जरूरतमंद बच्चों की सच्ची मुस्कान को दर्शाती है, जो आज बेहद खुश हैं–**गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की ओर से आइसक्रीम मिलने वाली है।

गौमाता की सेवा करते-करते कब इन बच्चों की छोटी-छोटी खुशियाँ भी संस्था का हिस्सा बन गईं, इसका एहसास धीरे-धीरे हुआ। आज स्थिति यह है कि इन मासूम चेहरों की मुस्कान ही सबसे बड़ा सुकून बन चुकी है।

बच्चों ने जो भी छोटी-सी इच्छा जताई, संस्था ने अपने सीमित संसाधनों में रहते हुए उसे पूरा करने की पूरी कोशिश की। यह केवल एक आइसक्रीम नहीं, बल्कि अपनापन, प्रेम और देखभाल का एहसास है।

यह दृश्य बताता है कि सेवा सिर्फ गौमाता तक सीमित नहीं, बल्कि हर उस दिल तक पहुँचती है, जिसे थोडी-सी खुशी की जरूरत है।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

गौ सेवक

ये दोनों तस्वीरें **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की उस विशेष भावना को दर्शाती हैं, जो इसे केवल एक गौशाला नहीं, बल्कि स्नेह और अपनत्व का घर बनाती है।

इन पलों में गौमाता के नन्हे बछड़ों को भरपूर प्यार, दुलार और स्नेह दिया जा रहा है। यह केवल देखभाल का कार्य नहीं, बल्कि एक ऐसा भावनात्मक जुड़ाव है जहाँ हर बछड़े को परिवार के सदस्य की तरह अपनाया जाता है।

संस्था में गौमाताओं का केवल पालन-पोषण ही नहीं किया जाता, बल्कि उन्हें प्रेम, सुरक्षा और अपनापन भी महसूस कराया जाता है। यही वह विशेषता है, जो **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की सबसे बड़ी पहचान बन चुकी है।

यह दृश्य स्पष्ट करता है कि यहाँ सेवा का अर्थ केवल जिम्मेदारी निभाना नहीं, बल्कि हर जीव के प्रति सच्चा स्नेह और करुणा प्रकट करना है।

संकल्प से सेवा तक—एक निरंतर यात्रा

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन ने अपने सीमित संसाधनों के बावजूद गौमाता की सेवा को कभी रुकने नहीं दिया। संसाधनों की कमी, परिस्थितियों की चुनौतियाँ और अनेक कठिनाइयाँ समय-समय पर सामने आईं, परंतु संस्था का संकल्प अडिग रहा।

कई ऐसे क्षण आए जब परिस्थितियाँ अत्यंत कठिन प्रतीत हुईं, लेकिन हर चुनौती को सेवा की शक्ति और समर्पण के भाव से पार किया गया। गौमाता की सेवा हमारे लिए केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि आस्था, कर्तव्य और जीवन का उद्देश्य है।

इन्हीं मूल्यों के साथ, **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी परिस्थिति में गौमाता की देखभाल, भोजन और संरक्षण में कोई बाधा न आए। हर संघर्ष ने हमारे विश्वास को और मजबूत किया और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

आज भी यह यात्रा निरंतर जारी है—उसी समर्पण, उसी श्रद्धा और उसी विश्वास के साथ।

"14 जुलाई, 2023—वह दिन जब सेवा की परीक्षा हुई"

14 जुलाई, 2023 का दिन **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** के लिए एक कठिन परीक्षा लेकर आया। यमुना खादर क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ ने सब कुछ बदल कर रख दिया। पानी का स्तर इतना बढ़ गया कि चारों ओर केवल विनाश का दृश्य था।

उस समय गौमाता की संख्या भले ही कि थी, लेकिन उनके साथ जुड़े संसाधनों का भारी नुकसान हुआ। चारा, आश्रय, आवश्यक सामग्री–सब कुछ पानी में बह गया। यह केवल भौतिक नुकसान नहीं था, बल्कि हर उस प्रयास का नुकसान था जो प्रेम और सेवा से वर्षों में बनाया गया था।

लेकिन इस विपत्ति के बीच एक संकल्प अडिग रहा–

"गौमाता की जान पर कोई आंच नहीं आने देंगे।"

हर कठिन परिस्थिति के बावजूद, फाउंडेशन के सदस्यों ने दिन-रात एक करके यह सुनिश्चित किया कि सभी गौमाताएँ सुरक्षित रहें। उस समय न थकान का अहसास था, न ही अपने नुकसान का–बस एक ही चिंता थी, "कहीं कोई गौमाता पीछे न रह जाए।"

यह समय केवल एक आपदा नहीं था, बल्कि एक सच्ची परीक्षा थी–धैर्य की, सेवा की और समर्पण की।

इसी कठिन दौर के बाद, **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की एक महत्त्वपूर्ण बोर्ड मीटिंग आयोजित की गई। इस बैठक में यह गहाराई से महसूस किया गया कि यमुना खादर जैसे क्षेत्र में, जहाँ बाढ़ का खतरा हर समय बना रहता है, गौमाता की सुरक्षा को प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है।

गौमाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यह निर्णय लिया गया कि गौशाला को एक सुरक्षित स्थान पर स्थापित किया जाएगा–एक ऐसा स्थान, जहाँ वे बिना भय के , शांति और संरक्षण के साथ रह सकें।

यह निर्णय केवल एक स्थान परिवर्तन नहीं था, बल्कि हर उस पीड़ा और संघर्ष का परिणाम था, जो 14 जुलाई की बाढ़ ने सिखाया।

आज जब पीछे मुड़कर देखा जाता है, तो वह दिन केवल एक कठिन स्मृति नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुका है–

कि सेवा सच्ची हो, तो हर आपदा के बीच भी रास्ते बन जाते हैं।

स्थानांतरण एवं गौशाला की स्थापना

दिल्ली में प्रारंभिक रूप से संचालित गतिविधियों के पश्चात, संस्था ने परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अपना कार्यक्षेत्र हरियाणा राज्य के जिला झज्जर, बहादुरगढ़ में स्थानांतरित किया।

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन के निरंतर प्रयासों एवं समर्पित सेवा भाव के परिणामस्वरूप लगभग 3000 गज क्षेत्र में एक सुव्यवस्थित एवं उपयुक्त स्थान विकसित किया गया, जहाँ गौमाता की सेवा, संरक्षण एवं देखभाल सुचारु रूप से की जा सके।

इस नई गौशाला परिसर का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि गौमाता की सेवा में किसी प्रकार की बाधा न आए तथा उनके दिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

यह स्थानांतरण एवं स्थापना संस्था के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध हुई, जिसने गौसेवा के कार्य को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

गौशाला निर्माण कार्य की प्रगति

वर्ष 2024 के अंत कि गौशाला परिस में दीवारों एवं प्रवेश द्वार से संबंधित निर्माण कार्य सुचारु रूप से प्रगति पर था।

इस निर्माण का उद्देश्य एक सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण तैयार करना है, जिससे गौमाता की सेवा में किसी प्रकार की बाधा न आए।

यह निरंतर प्रगति संस्था के समर्पण एवं सेवा भाव को दर्शाती है, जिसके माध्यम से गौमाता के लिए बेहतर सुविधाएँ सुनिश्चित कि जा रही हैं।

"वर्ष 2024 के अंत तक गौशाला परिसर की दीवारों एवं प्रवेश द्वार संबंधी निर्माण कार्य सुचारू रूप से प्रगति पर रहा। इस निर्माण का उद्देश्य सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण तैयार करना है, जिससे गौमाता की सेवा में किसी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही, भूमि को समतल एवं उपयोगी बनाने हेतु संस्था द्वारा लगभग 25 बड़ी ट्रॉली मलबा डलवाया गया, जिससे गौमाता के बैठने एवं विश्राम हेतु उपयुक्त स्थान सुनिश्चित किया जा सके। यह निरंतर प्रगति संस्था के समन्वय एवं सेवा भाव को दर्शाती है, जिसके माध्यम से गौमाता के लिए बेहतर सुविधाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं।"

सीमित संसाधनों में संरक्षण हेतु प्रयास

गौशाला की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ न होने के कारण संस्था के समक्ष अनेक चुनौतियाँ उपस्थिति थीं। इन परिस्थितियों के बावजूद, गौमाता की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

संस्था द्वारा उपलब्ध सीमित संसाधनों में ही लकड़ी एवं छप्पर की सहायता से अस्थायी आश्रय (shelter) का निर्माण किया गया, ताकि गौमाता को तीव्र धूप एवं वर्षा से सुरक्षित रखा जा सके।

यह प्रयास केवल एक संरचना का निर्माण नहीं था, बल्कि यह संस्था के अटूट समर्पण एवं सेवा भाव का प्रतीक है–जहाँ संसाधनों की कमी के बावजूद गौमाता की देखभाल में कोई कमी नहीं आने दी गई।

इस पहल ने यह सिद्ध किया कि सच्ची सेवा संसाधनों पर नहीं, बल्कि भावना, जिम्मेदारी और समर्पण पर आधारित होती है।

गौमाता स्थानांतरण

निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात, गौमाता को दिल्ली से हरियाणा स्थित गौशाला में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया गया, ताकि उनकी सेवा एवं देखभाल बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा सके।

जल संबंधी चुनौतियाँ एवं समाधान :

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन के समक्ष एक महत्त्वपूर्ण चुनौती उस समय आई, जब हरियाणा के पानी के अनुकूल न होने के कारण गौमाता के स्वास्थ्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए, लगभग 65 गौमाताओं के लिए कई महीनों तक प्रतिदिन बाहर से पानी मंगवाने की व्यवस्था की गई, ताकि उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हालांकि, जल भंडारण की उचित व्यवस्था न होने के कारण गौसेवकों को इस प्रक्रिया में अनेक कठिनाइयों का सामान करना पड़ा। इसके बावजूद, संस्था ने निरंतर प्रयास करते हुए गौमाता की सेवा में किसी प्रकार की कमी नही आने दी।

यह परिस्थिति संस्था के समर्पण, धैर्य एवं सेवा भावना कम सशक्त उदाहरण है।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

दुखद क्षति

"प्रसव के पश्चात अत्यधिक कमजोरी एवं जटिलताओं के कारण गौमाता की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई थी। हरीकिशन जी एवं मयंक जी द्वारा निरंतर सेवा एवं हर संभव प्रयास किए गए, साथ ही उपचार हेतु वेटनरी चिकित्सक को भी **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** में बुलाया गया। सभी प्रयासों के बावजूद गौमाता को बचाया नहीं जा सका। यह क्षति हमारे लिए अत्यंत भावुक एवं पीड़ादायक रही, जो हमारी सेवा यात्रा में एक कठिन अनुभव के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगी।"

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

अंतिम संस्कार

"दिनांक 04 फरवरी, 2025 को गौमाता के निधन के पश्चात, **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** द्वार तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिदचित की गईं। इस क्रम में **पहल : एक जीवन संस्था** से समन्वय स्थापित कर, गौमाता का अंतिम संस्कार सनातन धर्म के अनुसार पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान के साथ संपन्न कराया गया।"

माँ का वियोग

जन्म देने के पश्चात उस गौमाता की तबीयत अचानक अत्यंत खराब हो गई और कुछ समय बाद उनका देहांत हो गया, जिससे नवजात गौवंश असहाय और माँ के स्नेह से वंचित हो गया।

इस कठिन परिस्थित में उस छोटे से जीवन को विशेष देखभाल, पोषण और ममता के साथ संभाला गया। निरंतर सेवा और समर्पण के परिणामस्वरूप वह धीरे-धीरे स्वस्थ हुआ।

आज वही गौवंश **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** में सुरक्षित, सहज और स्नेहपूर्ण वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहा है—जो सेवा, करुणा और संरक्षण की एक भावनात्मक मिसाल है।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

जल समाधन

14 मई, 2025 को **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** में प्रारंभिक दिनों से चली आ रही पानी की समस्या के स्थायी समाधान हेतु 25,000 लीटर क्षमता वाले भूमिगत जल भंडारण टैंक के निर्माण का कार्य आरंभ किया गया।

यह पहल गौमाताओं को नियमित एवं पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई। संस्था ने अपने समस्त प्रयासों एवं संसाधनों का समर्पण करते हुए यह सुनिश्चित किया कि गौमाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और वे सुरक्षित एवं सुखद वातावरण में रह सकें।

आपातकालीन रेस्क्यू

मई, 2025 के अंत में एक राहगीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक गौमाता गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़कों पर भटक रही है और कई बार दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बची। रात लगभग 2:30 बजे तत्काल सहायता हेतु **मंगलदास उदासीन जी, हरिहर आश्रम** से संपर्क किया गया, जो **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** के संरक्षक भी हैं।

स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई और गौमाता का रेस्क्यू कर सुरक्षित रूप से गौशाला लाया गया। यह रेस्क्यू अत्यंत चुनौतीपूर्ण एवं भावनात्मक रहा, जिसमें सेवा दल ने निरंतर प्रयास करते हुए कई बार गौमाता की बिगड़ती हालत को संभाला।

सेवकों के समर्पण, त्वरित निर्णय और अथक प्रयासों के कारण गौमाता को समय रहते उपचार एवं सुरक्षा कमल सकी–जो संस्था की तत्परता और करुणा का सशक्त उदाहरण है।

निरंतर उपचार :

अगली सुबह गौमाता को गौसेवकों के माध्यम से उपचार प्रदान किया गया, जिन्हें प्राथमिक चिकित्सा का आवश्यक ज्ञान प्राप्त है। उनकी देखरेख में गौमाता का नियमित रूप से इलाज एवं सेवा की गई, जिससे उसकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आया।

आज वही गौमाता **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** में सुरक्षित, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन व्यतीत कर रही है–जो निरंतर सेवा, समर्पण और करुणा का परिणाम है।

मजबूत शेल्टर निर्माण

जुलाई, 2025 में तेज़ बारिश और हवा के कारण गौमाता के लिए बनाए गए लकड़ी के शेल्टर में टूट-फूट होने लगी। इस स्थिति ने गौमाता के रहने की व्यवथा को प्रभावित किया और उनकी सुरक्षा तथा आराम पर प्रतिकूल प्रभाव डाला।

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन ने इस चुनौती को गंभीरता से लिया। प्रारंभ में विभिन्न प्रयास किए गए ताकि मौजूदा समस्या का समाधान किया जा सके, लेकिन तुरंत सुधार नहीं हो पाया।

गौमाता को परेशानी में देखकर और उनकी भलाई को प्राथमिकता देते हुए, फाउंडेशन ने मजबूती और स्थायित्व वाले नए शेल्टर का निर्माण करने का निर्णय लिया। इस प्रयास में फाउंडेशन ने संसाधनों का कुशल प्रबंधन, श्रमिकों का समन्वय, और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग सुनिश्चित किया।

अंततः, फाउंडेशन इस मिशन में सफल हुआ और गौमाता के लिए ऐसा शेल्टर तैयार किया गया जो वर्षा, धूप और तेज़ हवा से सुरक्षा प्रदान करता है। इस उपलब्धि ने गौमाता की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित किया और फाउंडेशन की प्रतिबद्धता तथा सेवा भावना को प्रदर्शित किया।

गौवंश का अंतिम संस्कार और सेवा विस्तार

जुलाई, 2025 के अंत में, गौवंश की मृत्यु की शिकायत आई। यह गौवंश मृत अवस्था में पाया गया और इसका अंतिम संस्कार **संतान धर्म के अनुसार** किया गया। सीमित संसाधनों के बावजूद, **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** ने **गौसेवा और श्रद्धा** से पीछे नहीं हटते हुए यह काम पूरा किया।

इस दौरान फाउंडेशन ने आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया। **दिल्ली के राजघाट पर स्थित हरि हर आश्रम से एंबुलेंस की व्यवस्था** की गई ताकि जरूरत पड़ने पर समय पर मदद मिल सके। साथ ही, **महंत मंगल दास उदासीन जी** ने सेवा में साथ देकर फाउंडेशन के प्रयासों को और मजबूत किया।

यह सभी प्रयास दिखाते हैं कि सीमित संसाधनों के बावजूद फाउंडेशन की प्राथमिकता हमेशा **गौवंश की सुरक्षा और सम्मान** रही है। कठिन परिस्थितियों में भी **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** की **सेवा भावना** कभी कम नहीं होती।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

दानदाता एवं सहयोगी

उपरोक्त सभी गतिविधियाँ **गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन** के निरंतर प्रयास, समर्पण और सेवा भावना को दर्शाती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद, फाउंडेशन ने हर चुनौती का सामना करते हुए गौवंश की सुरक्षी और सम्मान सुनिश्चित करने का प्रयास किया है।

इन सभी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने में हमारे दानदाताओं और सहयोगियों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनके सहयोग से यह सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ पा रह है।

दानदाताओं का विशेष योगदान

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन अपने सभी दानदाताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता है, जिनके सहयोग से सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ पा रहे हैं।

श्री आशीष दविया जी (बहादुरगढ़) आपने गौवंश के शेल्टर के नीचे जमीन पर मिट्टी का भराव (डंपर) करवाया, जिससे गौवंश को बैठने के लिए आरामदायक स्थान प्राप्त हुआ। आपकी इस संवेदनशील पहल के लिए फाउंडेशन आपका दिल से धन्यवाद करता है।

श्री दहिया जी (बहादुरगढ़) आपके द्वार प्रारंभिक दिनों में लगभग 7-8 महीनों तक 60-65 गौवंश के लिए हरे चारे की निरंतर व्यवस्था की गई। वर्तमान में भी आप प्रतिमाह कभी चोकर, कभी भूसे की व्यवस्था कर सेवा में योगदान दे रहे हैं। आपकी यह निरंतर सेवा अत्यंत सराहनीय है।

चौधरी ग्रुप-सनी जी (26 जून 2025) आपके द्वार भूसे की व्यवस्था कर गौवंश के पोषण में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया गया। फाउंडेशन आपका हृदय से आभार व्यक्त करता है।

पंडित बैंड वाले (सितंबर 2025) आपने लगभग 4,000 किलो भूसे की व्यवस्था कर गौवंश के लिए महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस सहयोग के लिए आपका धन्यवाद।

सुंदरकांड ग्रुप (जनवरी 2026) आपके द्वार ₹12,000 की पराली की व्यवस्था की गई, जिससे गौवंश के चारे की जरूतर पूरी करने में सहायता मिली। फाउंडेशन आपका आभारी है।

श्री बंसल जी, जनवरी 2026 (अंतिम सप्ताह) गौवंश के लिए खोर (चारे की व्यवस्था) बनाने हेतु 1,000 ईंटों का दान प्राप्त हुआ, जिससे स्थायी संरचना तैयार करने में सहायता मिली।

दानदाता एवं सहयोगी

श्रीमती कुसुम जी (स्थानीय सहयोगी) आपके द्वार खोर निमार्ण हेतु 1,000 ईंटों की व्यवस्था की गई, जिससे गौवंश के लिए स्थायी सुविधा विकसित करने में महत्त्पूर्ण सहयोग मिला। फाउंडेशन आपका हृदय से धन्यवाद करता है।

श्री सनी ओमवीर जी (दिसंबर 2025 से निरंतर) आपके द्वारा प्रतिदिन लगभग 200 किलो हरे चारे की व्यवस्था की जा रही है, जो गौवंश के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण सहयोग है।

श्री रजनीश पंडित जी आपके द्वार प्रतिदिन लगभग 100 किलो चारे की सेवा की जा रही है। साथ ही, जब गौवंश के लिए मजबूत शेल्टर की आवश्यकता बताई गई, तो आपने गौशाला में (50×25) का मजबूत शेल्टर बनवाकर एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसके लिए फाउंडेशन आपका विशेष धन्यवाद करता है।

आभार संदेश

आप सभी दानदाताओं का यह सहयोग केवल सहयोग नहीं, बल्कि एक सच्ची सेवा भावना का प्रतीक है। आपके इस योगदान से न केवल गौवंश को सुरक्षा और सुविधा मिलती है, बल्कि हमें भी निरंतर सेवा करते रहने की प्रेरणा प्राप्त होती है।

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन आप सभी के प्रति हृदय से कृतज्ञ है और आशा करता है कि आपके सहयोग से यह सेवा कार्य आगे भी इसी प्रकार निरंतर चलता रहेगा।

GOPALA SATVIK GAU SHALA
FOUNDATION

समापन एवं सहयोग हेतु अपील

गोपाला सात्विक गौशाला फाउंडेशन द्वारा किए गए सभी कार्य सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी का प्रतीक हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद, फाउंडेशन ने हर परिस्थिति में गौवंश की सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दी है।

हम अपने सभी दानदाताओं, सहयोगियों एवं स्वयंसेवकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिनके विश्वास और सहयोग से यह सेवा कार्य निरंतर संभव हो पा रहा है।

भविष्य में भी फाउंडेशन गौवंश की सेवा, संरक्षण और बेहतर सुविधाओं के लिए अपने प्रयासों को और विस्तारित करता रहेगा।

हम सभी से विनम्र निवेदन करते हैं कि इस सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें–चाहे वह दान के रूप में हो, सेवा के रूप में या जागरूकता फैलाने के माध्यम से। आपका छोटा सा योगदान भी गौवंश के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

"आइए, मिलकर सेवा के इस पवित्र कार्य को आगे बढाएं।"

"जब सेवा भाव सच्चा हो, तो सीमित संसाधन भी बाधा नहीं बनते–श्री हरिकिशन जी द्वारा गौवंश की सेवा का एक दृश्य।"